वर्ष 1 - अंक 25
बुधवार 18 दिसम्बर 2024 - कुल पृष्ठ - 4
RNI - NO. MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

महाकाल लोक तक जाएगी मेट्रो चलाने के लिए कवायद शुरू

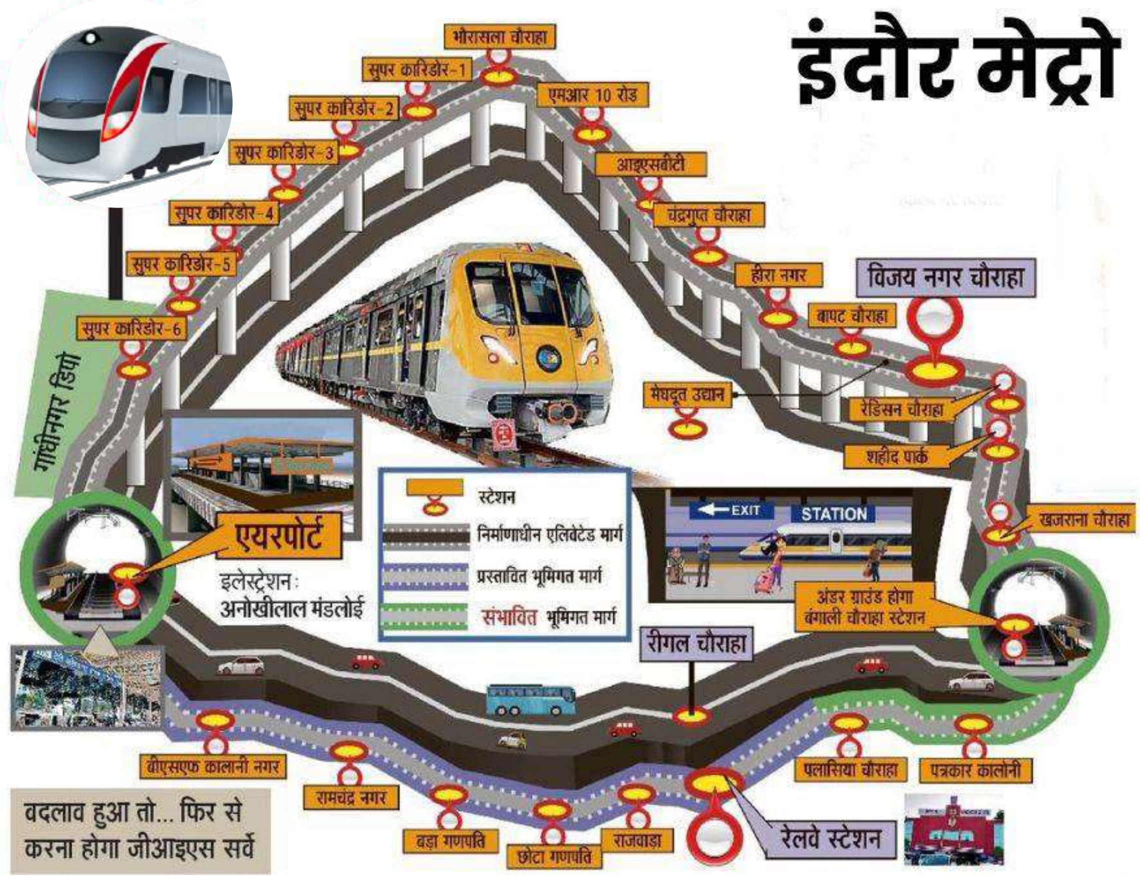

इंदौर से महाकाल मंदिर तक 47 किलोमीटर हिस्से में मेट्रो चलाने के लिए कवायद शुरू हो गई। इंदौर-उज्जैन के हाइब्रिड मोड पर मेट्रो का संचालन किया जाएगा। इस पर करीब 10 हजार करोड़ रुपये खर्च का आकलन किया गया है। इसका लाभ इंदौर व उज्जैन वासियों को सिंहस्थ के बाद ही मिल पाएगा। लवकुश चौराहे से महाकाल मंदिर तक मौजूदा फोर लेन सड़क के डिवाइडर पर पिलर खड़े कर वायडक्ट के माध्यम से मेट्रो का मार्ग तैयार किया जाएगा। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) द्वारा सर्वे की प्रक्रिया पूर्ण कर रुट अलायमेंट तय कर लिया है।

इंदौर

अब जल्द ही डीएमआरसी की टीम मप्र मेट्रो रेल कारपोरेशन के अफसरों के सामने इसका प्रेजेंटेशन देगी। इसके बाद इंदौर-उज्जैन आरआरटीएस की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया जाएगा।

दिल्ली एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन की तर्ज पर 135 की स्पीड पर दौड़ेगी हाइब्रिड मोड मेट्रो

इंदौर शहर में निर्माणाधीन मेट्रो रूट पर मेट्रो मेट्रो 80 से 85 किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से चलेगी। दो शहरों के बीच रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) में 135 किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से मेट्रो चलती है।

इंदौर व उज्जैन के बीच हाइब्रिड मोड में मेट्रो का संचालन किया जाएगा।

135 किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से चलेगी

वर्तमान में दिल्ली एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन में इस तरह हाइब्रिड मोड में मेट्रो का संचालन किया जा रहा है।

पूर्व में सिंहस्थ के पहले इंदौर से उज्जैन के बीच मेट्रो चलाने की योजना बनाई जा रही थी लेकिन 10 हजार करोड़ रुपये का बजट जुटाना राज्य शासन के लिए आसान नहीं होगा। यही वजह है कि यह प्रोजेक्ट सिंहस्थ के पहले पूरा नहीं हो पाएगा। ऐसे में 2028 में उज्जैन में होने वाले महाकुंभ में इंदौर से जाने वालों को सिक्स लेन का सड़क मार्ग व रेलवे स्टेशन से अन्य ट्रेनों के अलावा वंदे मेट्रो ट्रेन का विकल्प रहेगा। रेल मंत्रालय द्वारा इंदौर से उज्जैन के बीच वंदे मेट्रो ट्रेन चलाने पर सहमति दी गई है।

50 करोड़ की ठगी

पुलिस ने ऑनलाइन धोखाधड़ी के अंतरराज्यीय गिरोह का खुलासा किया है। इस गिरोह ने 50 करोड़ से अधिक की ठगी करना स्वीकारा है। ठगी के रुपये 100 खातों में जमा करवा कर मास्टर माइंड तक भिजवाए गए हैं। पुलिस ने सरगना के लिए काम करने वाले तीन पैडलरों को गिरफ्तार कर लिया है।

इंदौर। पुलिस अन्य आरोपितों की तलाश में छापामारी कर रही है। विजयनगर टीआई सीके पटेल के मुताबिक लक्ष्य सुतार उर्फ भूरा,सुनील शर्मा उर्फ सोनू और कृष्णपाल वर्मा उर्फ बाली को चित्तोड़गढ़ (राजस्थान) जिले से पकड़ा है। आरोपितों ने पूछताछ में बताया कि राजस्थान के निक्की के लिए काम करते हैं।

ऑनलाइन गेमिंग एप

निक्की ऑनलाइन गेमिंग एप के माध्यम से ठगी करने वाले गिरोह का सदस्य है। वह युवाओं को कमीशन का लालच देकर बैंक खाते खरीदता है। पुलिस निक्की की जानकारी जुटा रही है। उसकी तलाश में राजस्थान में दबिश दी गई है।

जानकारी के मुताबिक आरोपित 100 से अधिक खातों की सप्लाई स्वीकार चुके हैं, जिनमें 50 करोड़ से ज्यादा रुपये जमा हुए हैं। खातों में जमा राशि ऑनलाइन गेमिंग एप की ही है। कुछ राशि क्रिप्टो करंसी बेच कर जमा करवाई गई है। शक है ठगी से आरोपितों ने क्रिप्टो करंसी खरीदी और कैश करवा कर रुपये खातों में जमा करवा दिए।

साइबर अपराधियों की गैंग

टीआई के मुताबिक पुलिस ने शुरुआत में इस गिरोह की निचली पंक्ति के विधु भारद्वाज (इंद्रपुरी कालोनी),रवि वर्मा(रुक्मणीनगर),मयंक सोलंकी(सम्राट नगर देवास),अमन अहमद(कोहेफिजा कालोनी भोपाल) को एक होटल से पकड़ा था। आरोपित बड़ी भमौरी निवासी गौरव राठौर के साथ मारपीट कर रहे थे।

पुलिस ने जब पूछताछ कि तो साइबर अपराधियों की गैंग का सदस्य होना बताया। टीआइ के मुताबिक 10 खातों की बैंक से जानकारी मांगी है। पुलिस रिपोर्ट के बाद पीड़ितों से संपर्क करेगी।

ऑन लाइन गैंबलिंग

छह राज्यों के 13 खाते मिले इधर अपराध शाखा ऑनलाइन गैंबलिंग के आरोपितों की जांच में जुटी है। पुलिस को अभी तक आरोपितों के 13 खातों की जानकारी मिली है जो छह राज्यों में खोले गए हैं। पुलिस ने परिक्षित लोहार,रोशन लालवानी, विजय विश्वकर्मा, अभिषेक यादव, रुचितसिंह, राजेश कोतक, प्रफुल्ल सोनी और महेंद्रसिंह निवासी दलौदा (मंदसौर) को गिरफ्तार किया था। आरोपित ऑनलाइन गेमिंग वेबसाइट के माध्यम से सट्टा लगवा कर लोगों से ठगी करते थे। पुलिस को जांच में पता चला आरोपितों ने 13 खातों में रुपये जमा करवाए हैं। खाते उत्तर प्रदेश,महाराष्ट्र,राजस्थान,असम,दिल्ली में खुलवाए गए हैं।

नेककाज चैरिटेबल सोसायटी के द्वारा भीषण सर्दी में वितरित किए गए गर्म कम्बल

मूकबधिर एवं दृष्टिबाधित बच्चों के लिए शिक्षा में सोसायटी देती है अनुदान। अध्यक्ष सुनील मेहता

नेककाज चैरिटेबल सोसायटी के द्वारा दादा नगर एसबीआई चौराहे पर भीषण सर्दी को देखते हुए आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद सैकड़ो व्यक्तियो को कम्बल वितरित किए गए। इस मौके पर अध्यक्ष सुनील मेहता एवं उपाध्यक्ष अखिलेश गर्ग ने बताया कि विगत वर्षो से सोसायटी अनाथालय एवं वृद्धाश्रम में खाद्य सामग्री एवं आवश्यक सामग्री वितरित की जाती है।

तथा मूकबधिर एवं दृष्टिबाधित बच्चों के लिए शिक्षा में अनुदान दिया जाता है। वही उपाध्यक्ष अरुण मिश्रा तथा सचिव आलोक त्रिपाठी ने कहा कि भारतीय त्योहारों पर मजदूरों एवं कामगारों को सोसायटी मिठाईयां तथा अन्य सामग्री वितरित कर उनको खुशियां देने का कार्य सोसायटी करती है। इसी श्रृंखला में आज सैकड़ो जरूरतमंदों को निशुल्क गर्म कम्बल वितरित किए गए।

गर्म कम्बल जैसे ही जरूरतमंदों को मिले उनके चेहरे पर मुस्कान दिखी। कम्बल पाकर महिला कामगार गीता ने सोसायटी के सदस्यों की प्रशंसा करते हुए किए जा रहे कार्यों की सराहना की। अध्यक्ष सुनील मेहता एवं उपाध्यक्ष अखिलेश गर्ग ने बताया कि वर्ष 2015 से सोसायटी निर्धन तथा निर्बल समाज के उत्थान की दिशा में कार्य कर रही है। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डीएमडी कानपुर प्लास्टी पैक लिमिटेड शशांक अग्रवाल के द्वारा किया गया। मुख्य रूप से श्रीकान्त राय आलोक त्रिपाठी एसके सिंह एसएन सिंह धर्मेन्द्र अवस्थी संजय दास मानता प्रमोद कुमार जे पी शुक्ला केके सिंह शुभांकर बाजपेई यश सनातन राम कुमार यादव बी एल माली सहित काफी संख्या में पदाधिकारी मौजूद रहे।

पर्यावरण की सुरक्षा जरूरी

2014 में, माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने यूसीआईएल स्थल पर पड़े अपशिष्ट को जलाने और उसके पर्यावरणीय प्रभाव का मूल्यांकन करने का आदेश दिया। इस निर्देश के तहत, अगस्त 2015 में 13 से 18 तारीख तक पीथमपुर इंडस्ट्रियल वेस्ट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड (पीआईडब्ल्यूएमपीएल) की ट्रीटमेंट, स्टोरेज और डिस्पोजल फैसिलिटी (टीएसडीएफ) में 10 मीट्रिक टन यूसीआईएल अपशिष्ट के निपटान के लिए ट्रायल रन किए गए। ये परीक्षण केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी), पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ एंड सीसी), एमपीपीसीबी, और मध्य प्रदेश सरकार (जीओएमपी) की निगरानी में किए गए। परीक्षणों के परिणामों ने पुष्टि की कि इनसिनरेटर के सभी मापदंड निर्धारित नियमों का पालन करते हैं। सफल परीक्षणों और माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश का पालन करते हुए, पर्यवेक्षण समिति और एमओईएफ एंड सीसी ने शेष अपशिष्ट के निपटान को शीघ्र ही इनसिनरेशन के माध्यम से आगे बढ़ाने का निर्णय लिया। यूसीआईएल अपशिष्ट का निपटान अब माननीय उच्च न्यायालय, जबलपुर, मध्य प्रदेश (ऑर्डर WP संख्या 2802, 2004, दिनांक 3 दिसंबर 2024) के निर्देशों के अनुसार किया जा रहा है। उच्च न्यायालय के निर्देश पहले सफल परीक्षण पर आधारित हैं, जिसने प्रक्रिया के दौरान जनस्वास्थ्य या पर्यावरण को कोई जोखिम नहीं दिखाया।

माननीय न्यायालय के निर्देशों का पालन करते हुए, कानूनी और पर्यावरणीय आवश्यकताओं का पालन करने पर मुख्य ध्यान केंद्रित है। ऑपरेशनल टाइमलाइन्स का हिस्सा हैं, लेकिन प्राथमिकता अनुपालन और पर्यावरण संरक्षण को दी जा रही है। भोपाल गैस त्रासदी राहत और पुनर्वास (बी जी टी आर आर) को इस प्रोजेक्ट को लागू करने के लिए नोडल एजेंसी के रूप में नामित किया गया है। प्रोजेक्ट का नेतृत्व आईएएस श्री स्वतंत्र कुमार सिंह द्वारा किया जा रहा है। अपशिष्ट का उपचार और निपटान एमपीपीसीबी द्वारा अनुमोदित सीएचडब्ल्यू - टीएसडीएफ पीथमपुर में किया जाएगा, जो पीथमपुर इंडस्ट्रियल वेस्ट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित है।

इस प्रोजेक्ट की निगरानी एक तकनीकी समिति द्वारा की जा रही है, जो अपशिष्ट संग्रह, पैकिंग, परिवहन, भंडारण, उपचार और निपटान की प्रक्रियाओं का निरीक्षण करती है। यह प्रक्रिया सीपीसीबी दिशानिर्देशों और 2016 के खतरनाक और अन्य अपशिष्ट (प्रबंधन, संचालन, और ट्रांसबाउंड्री मूवमेंट) नियमों के अनुसार की जा रही है। सीएचडब्ल्यू-टीएसडीएफ पीथमपुर अत्याधुनिक इनसिनरेशन फैसिलिटी, ऑनलाइन निगरानी प्रणालियों (सीईएमएस और सीएएक्यूएमएस), और खतरनाक अपशिष्ट को सुरक्षित और पारदर्शी रूप से संभालने के लिए आवश्यक इन्फ्रास्ट्रक्चर से सुसज्जित है। यूसीआईएल अपशिष्ट को सील किए गए, लेबलयुक्त, और लीक प्रूफ कंटेनरों में जीपीएस-इनेबल्ड वाहनों का उपयोग करके ले जाया जाएगा, जो स्पिल-कण्ट्रोल सिस्टम्स से लैस हैं। सभी परिवहन गतिविधियां खतरनाक अपशिष्ट के लिए सीपीसीबी दिशानिर्देशों का पालन करती हैं, जिससे पूरी प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा और जवाबदेही सुनिश्चित होती है। इस अवसर पर आईएएस स्वतंत्र कुमार सिंह ने कहा, "माननीय उच्च न्यायालय, जबलपुर के निर्देशों और माननीय सर्वोच्च न्यायालय के मार्गदर्शन के अनुसार, हम यूसीआईएल अपशिष्ट निपटान परियोजना को सुरक्षा, पारदर्शिता और कानूनी प्रावधानों के अनुपालन के उच्चतम मानकों के साथ पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। 2015 के सफल परीक्षण ने प्रक्रिया की व्यवहार्यता और पर्यावरण सुरक्षा की पुष्टि की।

क्रिप्टो करंसी जारी करने की तैयारी में था अग्निहोत्री

इंदौर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच और कार्रवाई के घेरे में आए इंदौर के कांग्रेस नेता विशाल (गोलू) अग्निहोत्री खुद का एक क्रिप्टो क्वाइन लाने की तैयारी में थे। यह भी पता चला है कि दुबई में कांग्रेस नेता द्वारा कई कंपनियां रजिस्टर्ड करवाई गई हैं। ये कंपनियां अपने कर्मचारी और परिचितों के नाम पर बनाई हैं। कई परिचितों को अपने साथ दुबई की सैर भी कराई थी। जांच के दौरान कांग्रेस नेता के लैपटाप के साथ इलेक्ट्रानिक दस्तावेज ईडी ने जब्त किए हैं। करीबियों को भी जांच के घेरे में लिया गया है।

शैल कंपनियों के दस्तावेज भी मिले

अग्निहोत्री के ईडी की कार्रवाई दूसरे दिन मंगलवार को भी जारी रही। इस दौरान ईडी के हाथ कुछ शैल कंपनियों के दस्तावेज लगे हैं। इनसे पता चला है कि कांग्रेस नेता द्वारा खुद की एक क्रिप्टो करंसी जारी करने की तैयारी की जा रही थी। इस दौरान अधिकारियों का एक और दल भी इंदौर पहुंचा। एक दल सिल्वर स्प्रिंग टाउनशिप के एक फ्लैट में भी जांच के लिए गया। इस बीच कुछ कर्मचारी व नौकरों से भी पूछताछ की गई। हालांकि ईडी ने अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

छापे में अवैध हथियार भी मिले

ईडी के छापे में अवैध हथियार भी मिले हैं। असिस्टेंट डायरेक्टर (एडी) प्रियांकुश की टीम गोलू अग्निहोत्री से जुड़े तरुण राजेंद्र श्रीवास्तव के घर सिंगापुर टाउनशिप में भी सर्चिंग कर रही है। तरुण के विरुद्ध फेमा, क्रास बार्डर इंटरनेशनल कनेक्शन, हवाला, बैटिंग और डिब्बा कारोबार की जांच चल रही है। एडी के मुताबिक टीम को तरुण के घर सर्चिंग में एक देशी पिस्टल, दो मैगजीन और पांच कारतूस मिले हैं। मंगलवार देर रात लसूड़िया पुलिस ने तरुण के पर एफआईआर दर्ज कर ली। तरुण फिलहाल मुंबई में है। उसकी पत्नी और भाई से पूछताछ जारी है। ईडी ने अंकित (लसूड़िया), विनोद मित्तल (जानकीनगर) के घर में भी सर्चिंग की है।

पत्रकार पर जानलेवा हमला

सच और जनता की आवाज को बुलंद करने वाले पत्रकारों पर बढ़ते हमलों ने पत्रकार सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

शनिवार को धार जिले के उमरबन में कवरेज के दौरान पत्रकार संतोष चौहान पर हुए बर्बर हमले ने पूरे जिले में सनसनी फैला दी है। घटना के विरोध में धार जिला पत्रकार संघ के नेतृत्व में बड़ी संख्या में प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मिडिया के पत्रकार एकजुट होकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे और दोषियों की जल्द गिरफ्तारी तथा सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा।

घटना का गंभीर विवरण

शनिवार को उमरबन क्षेत्र में ग्राम पंचायत कलालदा के सरपंच राधेश्याम पटेल, सचिव मुन्नालाल रावत और उनके साथियों ने पत्रकार संतोष चौहान को कवरेज के दौरान बंधक बनाकर बर्बर तरीके से पीटा। घटना इतनी भयावह थी कि संतोष चौहान गंभीर रूप से घायल हो गए, उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। हमलावरों ने पत्रकार की सच्चाई उजागर करने की कोशिश को कुचलने का प्रयास किया, जो लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर सीधा हमला है।

पत्रकारों का उग्र प्रदर्शन

घटना की निंदा करते हुए धार जिले के सभी पत्रकारों ने रविवार को एकजुट होकर प्रदर्शन किया। धार जिला पत्रकार संघ के बैनर तले पत्रकारों ने पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह से मुलाकात की और दोषियों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग की। पत्रकारों ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार नहीं किया गया तो जिला स्तर पर उग्र आंदोलन किया जाएगा।

संघ अध्यक्ष छोटू शास्त्री ने कहा,

"पत्रकार पर हमला लोकतंत्र पर हमला है। यदि दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई नहीं हुई तो हम सड़क पर उतरकर प्रशासन की लापरवाही के खिलाफ आवाज उठाएंगे।"

पुलिस प्रशासन का आश्वासन

धार पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह ने पत्रकारों को आश्वस्त करते हुए कहा, "दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। पत्रकारों की सुरक्षा पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है। आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और जल्द ही गिरफ्तारी सुनिश्चित होगी।"

लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर बढ़ता संकट

यह घटना केवल एक पत्रकार पर हमला नहीं है बल्कि लोकतंत्र के मूलभूत स्तंभ पर प्रहार है। पत्रकार समाज की आवाज होते हैं और उनके ऊपर होने वाले हमले सच्चाई को दबाने का कुत्सित प्रयास हैं। इस तरह की घटनाएं यह सवाल खड़ा करती हैं कि क्या लोकतंत्र में सच्चाई लिखना अपराध हो गया है?

हाईकोर्ट के निर्देशों की अवहेलना

उल्लेखनीय है कि हाईकोर्ट ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि पत्रकारों पर होने वाले हमलों की पुलिस गहन जांच करे और अपराधियों पर तत्काल कार्रवाई की जाए। लेकिन उमरबन की घटना पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर रही है। बिना जांच के झूठे मुकदमे दर्ज करने में तत्पर पुलिस पत्रकारों के आवेदन को गंभीरता से क्यों नहीं लेती?

जनप्रतिनिधियों और प्रशासन की चुप्पी

गौरतलब है कि पत्रकार संतोष चौहान पर हुए हमले को लेकर अब तक किसी जनप्रतिनिधि या प्रशासनिक अधिकारी ने सहानुभूति व्यक्त नहीं की है। क्या यह चुप्पी इस बात का संकेत है कि सच्चाई को उजागर करने वालों के खिलाफ अब संगठित रणनीति बन रही है?

पत्रकारों का सामूहिक आह्वान

प्रदर्शन में मौजूद पत्रकारों ने कहा कि यह घटना पत्रकारों को डराने और सत्य की आवाज दबाने का कायराना प्रयास है। यदि प्रशासन इस बार दोषियों पर कठोर कार्रवाई नहीं करता तो पूरे प्रदेश में पत्रकार आंदोलन करेंगे।

पत्रकारों ने मांग की है

1. सरपंच राधेश्याम पटेल और सचिव मुन्नालाल रावत को तत्काल गिरफ्तार किया जाए।

2. हमले में शामिल सभी आरोपियों के खिलाफ सख्त धाराओं में मामला दर्ज हो।

3. पत्रकारों की सुरक्षा के लिए विशेष कानून लागू किया जाए।

4. प्रशासन पत्रकारों पर होने वाले हमलों को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए।

संवेदनशील स्थिति में संतोष चौहान

हमले में घायल पत्रकार संतोष चौहान की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। उनकी सुरक्षा और स्वास्थ्य को लेकर पत्रकार समुदाय चिंतित है। पत्रकारों ने स्पष्ट कहा है कि यदि दोषियों की गिरफ्तारी में देरी होती है तो आने वाले दिनों में पत्रकार सड़क से लेकर सदन तक अपनी आवाज बुलंद करेंगे। यह घटना लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर एक गहरा आघात है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। संविधान के चौथे स्तंभ पर ऐसे हमले यदि रोके नहीं गए तो आने वाले समय में सच बोलने वाले हर व्यक्ति को खतरे का सामना करना पड़ेगा।

स्वच्छता अभियान के चलते ग्राम पंचायत शिहासा में हिमाचल प्रदेश की स्वच्छता टीम द्वारा किया गया सर्वे

इंदौर के समीप ग्राम पंचायत सिंहासा में हिमाचल प्रदेश की टीम द्वारा स्वच्छता का सर्वे किया गया जिसमें देखा गया कि इंदौर लगातार स्वच्छता में नंबर वन आ रहा हे क्या कारण हे कि किस तरीके से यहां स्वच्छता का कार्य किया जाता हे एवं किन किन चीजों को ध्यान में रखा जाता हे किस तरीके से कूड़े को रिसाइकलिंग की जाती हे स्वच्छता की टीम द्वारा ग्राम की सड़के शौचालय एवं शासकीय भवन को भी उनके द्वारा विजिट किया गया वहीं टीम का स्वागत सरपंच नारायण चौहान ग्राम पंचायत सचिव प्रह्लाद नील जी ने किया एवं कार्यक्रम के बाद आभार व्यक्त किया।

वार्डों में शिविर आयोजित किए गए

मानपुर। नगर परिषद मानपुर द्वारा मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के अंतर्गत हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने हेतु नगर के 15 वार्डों में शिविर आयोजित किए गए हैं। इसके तहत सोमवार को वार्ड 02 का शिविर आगनवाडी केंद्र में लगाया गया। शिविर के दौरान आयुष्मान योजना तथा अन्य योजनाओं के कुल 5 आवेदन प्राप्त हुए। दि.11 से 26 जनवरी तक आयोजित मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान अंतर्गत केंद्र एवं राज्य सरकार की हितग्राहीमूलक और लक्ष्य आधारित योजनाओं, सेवाओं का लाभ एवं सहायता पात्र हितग्राहियों को दिलवाने हेतु वार्ड वार शिविर आयोजित किए जा रहें हैं। शिविर में प्राप्त आवेदनों का निर्धारित समय सीमा में निराकरण भी कियाजा रहा है।

सियासी हलचल

उमंग सिंगार का सीधा सवाल, भाजपा सरकार कब उठाएगी ठोस कदम ?

महाकाल की नगरी उज्जैन को नशामुक्त बनाने की मांग ने प्रदेश की राजनीति में नई बहस छेड़ दी है। मध्य प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और गंधवानी विधायक उमंग सिंगार ने मुख्यमंत्री और भाजपा सरकार पर तीखे सवाल खड़े किए हैं। सिंगार ने धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक आधार पर उज्जैन जैसे पवित्र स्थल पर नशामुक्ति की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए भाजपा के 'हिंदू संस्कृति' के एजेंडे पर भी सवाल उठाए।

सिंगार का सीधा हमला

"मुख्यमंत्री पूरे प्रदेश के हैं, न कि केवल उज्जैन के" उमंग सिंगार ने अपनी बात रखते हुए कहा, "मुख्यमंत्री केवल उज्जैन के नहीं, बल्कि पूरे मध्य प्रदेश के हैं। पूरे प्रदेश की जनता का विश्वास और भविष्य उनके हाथों में है। भाजपा सरकार हर बार हिंदुत्व और सांस्कृतिक मूल्यों की बात करती है, लेकिन जब उज्जैन जैसे पवित्र स्थल को नशामुक्त करने की बात आती है, तो उनकी चुप्पी सवाल खड़े करती है।"

"शराबबंदी क्यों नहीं?" सिंगार का बड़ा सवाल

सिंगार ने विशेष रूप से उज्जैन में शराबबंदी की मांग करते हुए कहा कि महाकाल की नगरी को नशामुक्त करना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। "अगर भाजपा सरकार धार्मिक स्थलों की पवित्रता का दावा करती है, तो फिर उज्जैन में शराबबंदी क्यों नहीं हो सकती? ऐसे पवित्र स्थल को नशा मुक्त करना न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से, बल्कि सामाजिक रूप से भी महत्वपूर्ण है। यह युवाओं को नशे की आदतों से बचाने का एक बड़ा कदम होगा।"

युवा पीढ़ी पर संकटः सिंगार की चिंता

नेता प्रतिपक्ष ने राज्य के युवाओं के बीच बढ़ते नशे के दुष्प्रभाव पर गंभीर चिंता जताई। "नशा हमारे युवाओं को बर्बाद कर रहा है। यह समस्या न केवल उनके स्वास्थ्य और भविष्य को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती है, बल्कि समाज की नींव को भी कमजोर कर रही है। भाजपा सरकार को यह समझना चाहिए कि उज्जैन को नशामुक्त करना पूरे प्रदेश के युवाओं के लिए एक प्रेरणा बन सकता है।"

भाजपा सरकार पर निशानाः "सही बातें सुनने में कमजोर"

सिंगार ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार सही और जरूरी मुद्दों को सुनने और उन पर अमल करने में कमजोर है। "भाजपा केवल अपने राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ाने में व्यस्त रहती है। जनता की असली समस्याओं को हल करना उनकी प्राथमिकता में नहीं है।"

राजनीतिक गलियारों में मचा हड़कंप

उमंग सिंगार के इस बयान ने सियासी हलकों में गर्मागर्मी बढ़ा दी है। अब सभी की निगाहें मुख्यमंत्री मोहन यादव और भाजपा सरकार पर टिकी हैं। सवाल उठता है कि क्या सरकार उज्जैन को नशामुक्त बनाने के लिए कोई ठोस कदम उठाएगी, या यह मामला भी अन्य मुद्दों की तरह केवल बयानबाजी तक सीमित रह जाएगा।

क्या भाजपा सरकार उठाएगी ठोस कदम?

उज्जैन को नशामुक्त बनाने का मुद्दा केवल धार्मिक महत्व का नहीं, बल्कि समाज के लिए एक बड़ी प्रेरणा का स्रोत बन सकता है। यदि सरकार इस दिशा में ठोस कदम उठाती है, तो यह पूरे प्रदेश के लिए एक ऐतिहासिक निर्णय साबित होगा। वहीं, यदि सरकार ने इसे नजरअंदाज किया, तो जनता और विपक्ष इसे भाजपा की कथनी और करनी के अंतर के रूप में देखेगी।

विशेषज्ञों की रायः उज्जैन को नशामुक्त करना समय की मांग

सामाजिक कार्यकर्ता और धार्मिक संगठनों ने भी उमंग सिंगार की इस मांग का समर्थन किया है। उनका कहना है कि उज्जैन जैसे पवित्र स्थल पर नशे का चलन धार्मिक मूल्यों के विपरीत है। "अगर सरकार वाकई में धार्मिक स्थलों की पवित्रता को बनाए रखना चाहती है, तो उज्जैन को नशामुक्त करने का निर्णय तुरंत लिया जाना चाहिए।"

क्या आप भी बनना चाहते हैं
जनता की आवाज ?
तो जुड़िए रणजीत टाइम्स न्यूज़पेपर के साथ
और बनिए जनता की सशक्त आवाज
आपकी खबर, आपकी ताकत!
जुड़ने के लिए अभी संपर्क करें
9827068888, 8224951278
आपका रणजीत टाइम्स
जनताकीआवाज

॥ ॐ शान्ति ॐ ॥

आपको बड़े दुःख के साथ सूचित किया जाता है की
हमारी पूजनीय माताजी
स्व. अन्नपूर्णा देवी शुक्ल जी
का सोमवार, 16 दिसंबर 2024 को स्वर्गवास हो गया है।
उन्हें भावांजलि प्रदान करने हेतु,
श्रद्धांजलि सभा
दिनांक: **18 दिसंबर को**
स्थान: भवदत्त निवास, १० धार कोठी रेसीडेंसी एरिया,इंदौर पर
संध्या 5 से 6 आयोजित की जा रही है।
इसके अतिरिक्त 19 दिसंबर 2024 से **प्रतिदिन दोपहर 3 से 4**
गरुण पुराण का पाठ होगा।
दिवगंत आत्मा की शांति हेतु आपसे अनुरोध है कि
कार्यक्रम में सम्मिलित होकर हमे कृतार्थ करें।
शोकाकुल परिवार
भूपेंद्र शुक्ल एवं सुरेंद्र शुक्ल (पुत्र), गौरवेन्द्र, नमन, पार्थ (पौत्र)
नलिन, मानस, बालार्क (नाती) अथर्व (प्रपौत्र)
एवं समस्त शुक्ल, दीक्षित, तिवारी व वाजपेयी परिवार
मोब. नंबर- 94252554537, 9826762610,
7773863960, 8109207940